डॉ. शरद कुमार जैन
निदेशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की – 247 667 (उत्तराखंड)

निदेशक की कलम से.....

सम्मानित सुधी पाठकों को यह अवगत कराते हुए मुझे अपार प्रसन्नता एवं गौरव की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की विगत 23–24 वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही अपनी वार्षिक गृह पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का हिंदी दिवस–2017 के शुभ अवसर पर प्रकाशन करने जा रहा है। प्रस्तुत पत्रिका में संस्थान के ही नहीं अपितु विभागेतर रचनाकारों के लेखों को भी प्रकाशित किया जा रहा है। रचनाओं की भाषा सरल व सहज रखने का प्रयास किया गया है ताकि हर वर्ग का पाठक इससे लाभान्वित हो सके। उम्मीद है कि यह अंक समस्त पाठकों को रोचक एवं उपयोगी लगेगा।

संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिंदी में अपने लेख आदि देकर राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अपनी रूचि एवं समर्पण को प्रदर्शित किया है। प्रसन्नता की बात है कि संस्थान के अधिकारियों की हिंदी लेखन रूचि में निरंतर वृद्धि हो रही है और वे न केवल प्रशासनिक कार्यों में अपितु तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी का समुचित प्रयोग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की अपने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शोध में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ–साथ राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में भी निरंतर अग्रसर रहा है।

जैसा कि विदित है, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अंतर्गत देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। अतः हमारा दायित्व है कि संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु राजभाषा विभाग जो भी आदेश जारी करे, उनका समुचित ढंग से पालन किया जाए। राजभाषा का दर्जा मिलने के पश्चात कई क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग बढ़ा है। आज सरकारी कामकाज, व्यापार, उद्योग तथा अन्य आर्थिक लेन–देन के क्षेत्र में भी हिंदी का काफी प्रयोग हो रहा है। मैं इस पत्रिका के माध्यम से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं कार्यान्वयन में बढ़–चढ़कर योगदान दें ताकि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी यूं ही फलती–फूलती रहे।

पत्रिका के संपादन एवं प्रकाशन कार्यों से जुड़े सभी पदाधिकारी तथा विद्वत लेखक धन्यवाद के पात्र हैं। मैं पत्रिका की अपार सफलता एवं श्रीवृद्धि की मंगल कामना करता हूं।

शरद जैन

(शरद कुमार जैन)